एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 06, अंक: 02 (मार्च-अप्रैल, 2026)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर और किसान की आय: चुनौतियाँ, तथ्य और समाधान

डॉ. हरकेश कुमार बलाई[1] एवं *अंकिता[2]
[1]असिस्टेंट प्रोफेसर, फैकल्टी ऑफ एग्रीकल्चर, जगन्नाथ यूनिवर्सिटी, चाकसू, जयपुर
[2]स्टूडेंट बी.एससी. (ऑनर्स) एग्रीकल्चर, फैकल्टी ऑफ एग्रीकल्चर, जगन्नाथ यूनिवर्सिटी, चाकसू, जयपुर
*संवादी लेखक का ईमेल पता: badesrashashi@gmail.com

भारत के गांवों में किसान सिर्फ फसल नहीं उगाता, बल्कि अपने परिवार का भविष्य भी उसी मिट्टी में बोता है। वह सुबह से शाम तक मेहनत करता है, लेकिन कई बार उसकी मेहनत का सही फल उसे नहीं मिल पाता। इसका कारण केवल मौसम या लागत नहीं होता, बल्कि गांवों में बुनियादी सुविधाओं की कमी भी एक बड़ा कारण है। इन्हीं सुविधाओं को हम ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर कहते हैं, जिसमें सड़कें, भंडारण और परिवहन प्रमुख हैं।

1. किसान की मेहनत बनाम वास्तविक आय

भारत में लगभग 45–50% आबादी कृषि पर निर्भर है, लेकिन कृषि का GDP में योगदान करीब 15–18% ही है। यह अंतर दिखाता है कि किसान की मेहनत के मुकाबले उसकी आय अभी भी कम है।

2. खराब सड़कों का सीधा असर किसान की कमाई पर

कई गांवों में कच्ची या खराब सड़कें हैं।
बारिश के समय परिवहन बाधित हो जाता है।
किसान को अपनी फसल स्थानीय स्तर पर कम दाम पर बेचनी पड़ती है।

3. अच्छी सड़क = बेहतर बाजार और ज्यादा मुनाफा

पक्की सड़कें होने से किसान कई मंडियों तक पहुंच सकता है।
वह बेहतर कीमत चुन सकता है।
अच्छी सड़क सुविधा से किसानों की आय में 20–30% तक वृद्धि संभव है।

4. भंडारण की कमी: मजबूरी में सस्ती बिक्री

भारत में केवल 30–35% कृषि उपज के लिए ही पर्याप्त भंडारण सुविधा है।
किसान को फसल तुरंत बेचनी पड़ती है, जिससे उसे कम दाम मिलते हैं।

5. कोल्ड स्टोरेज: फल-सब्जी किसानों के लिए जीवन रेखा

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा फल और सब्जी उत्पादक है।
15–25% तक फल-सब्जियाँ खराब हो जाती हैं।
कोल्ड स्टोरेज से किसान बेहतर समय पर बिक्री कर सकता है।

6. फसल बर्बादी: छुपा हुआ आर्थिक नुकसान

हर साल लगभग ₹90,000 करोड़ की कृषि उपज खराब हो जाती है।
मुख्य कारण:
खराब सड़कें
भंडारण की कमी
परिवहन की समस्या

7. अनाज उत्पादन: महत्वपूर्ण आंकड़े

धान (Rice):

2022–23: ~135 मिलियन टन

2010–11: ~95 मिलियन टन

गेहूं (Wheat):

2022–23: ~110 मिलियन टन

2010–11: ~86 मिलियन टन

मक्का (Maize):

2022–23: ~35 मिलियन टन

➡ उत्पादन बढ़ने के बावजूद किसान को पूरा लाभ नहीं मिल पाता।

8. इंफ्रास्ट्रक्चर से तकनीकी विकास का रास्ता

बेहतर कनेक्टिविटी से नई तकनीक और मशीनें गांव तक पहुंचती हैं।
किसान आधुनिक खेती अपनाता है।
उत्पादन बढ़ता है और लागत कम होती है।

9. सरकारी प्रयास (संक्षेप में)

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY)

e-NAM (राष्ट्रीय कृषि बाजार)

वेयरहाउस और कोल्ड स्टोरेज योजनाएं

निष्कर्ष

किसान की तरक्की केवल खेत तक सीमित नहीं है, बल्कि सड़क, भंडारण और बाजार तक की पूरी व्यवस्था उसकी आय को तय करती है। अगर ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत हो जाए, तो किसान अपनी मेहनत का सही मूल्य प्राप्त कर सकता है। इससे उसकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी और देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

संदर्भ

1. कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार (एग्रीकल्चरल स्टैटिस्टिक्स 2022–23)
2. ICAR रिपोर्ट्स
3. FAO डेटा
4. विश्व बैंक रिपोर्ट
5. NABARD रिपोर्ट
6. इकोनॉमिक सर्वे ऑफ़ इंडिया (2022–23)